आचार्य महावीर

जीवन-परिचय : भारतीय गणित के इतिहास में आचार्य महावीर का नाम आदर के साथ लिया जाता है। जैन गणित को व्यवस्थित रूप देने का श्रेय इन्हीं को प्राप्त है।

आचार्य महावीर की गुरुपरम्परा और जीवनवृत्त के सम्बन्ध में कुछ भी सामग्री उपलब्ध नहीं है। इन्होंने ग्रन्थ के आरम्भ में अमोघवर्ष नृपतुंग के सम्बन्ध में प्रशंसात्मक विचार व्यक्त किये हैं। इन विचारों से आचार्य महावीर के समय पर तो प्रकाश पड़ता है, पर उनके जीवनवृत्त के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती।

अमोघवर्ष का राज्यकाल ईसा की नवम शताब्दी का पूर्वार्द्ध है। इनके शासनकाल में ही आचार्य महावीर का जन्म समय माना जाता है अत: आचार्य महावीर का समय ईसा की नवम शताब्दी का पूर्वार्द्ध माना जाता है।

रचना-परिचय : आपके द्वारा लिखित केवल एक ही ग्रन्थ मिलता है।

1. गणितसार-संग्रह : महावीराचार्य का प्रामाणिक रूप से एक 'गणितसारसंग्रह' ग्रन्थ ही प्राप्त है। 'गणितसारसंग्रह' में नौ अधिकार हैं। इस ग्रन्थ में गणित की अनेक विशेषताएँ विद्यमान है।

इनके नाम से एक 'ज्योतिषपटल' का भी उल्लेख मिलता है, पर यह रचना अभी तक उपलब्ध नहीं है।